विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 02-11-2021

वर्ग अष्टम शिक्षक -राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

आज का गृह कार्य

–तत्पुरुष समास - परिभाषा, उदाहरण, सूत्र, अर्थ - संस्कृत

तत्पुरुष समास में प्रायः उत्तर पदार्थ की प्रधानता होती है। जैसे- राज्ञः पुरुषः - राजपुरुषः (राजा का पुरुष)। यहाँ उत्तर पद ‘पुरुषः’ है, उसी की प्रधानता है। ‘राजपुरुषम् आनय’ (राजा के पुरुष को लाओ) ऐसा कहने पर पुरुष को ही लाया।

जाता है। राजा को नहीं। तत्पुरुष समास में पूर्व पद में जो विभक्ति होती है, प्रायः उसी के नाम से ही समास का भी नाम होता है। जैसे-

तत्पुरुष समास के उदाहरण -

कृष्णं श्रितः - कृष्णश्रितः - (द्वितीयातत्पुरुषः)

ग्रामं गतः - ग्रामगतः - (द्वितीयातत्पुरुषः)

हरिणा त्रातः - हरित्रातः - (तृतीयातत्पुरुषः)

भूतेभ्यः बलिः - भूतबलिः - (चतुर्थीतत्पुरुषः)

चोराद् भयम् - चोरभयम् - (पञ्चमीतत्पुरुषः)

राज्ञः पुरुषः - राजपुरुषः - (षष्ठीतत्पुरुषः)

अक्षेशु शौण्डः - अक्षशौण्डः - (सप्तमीतत्पुरुषः)